Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Dr. Solanke santosh Bhikaji **Department: Hindi**

Program: BA FY –sem-1 **Subject**: Hindi **Course Code**: HIN-1

Paper Title: कथासाहित्य

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	उपन्यास।	खंजन नयन	सुरके जीवन चरित्र को। अपने रूप से। प्रस्तुत करता है। गंजन ने इनकी सार्थकता। इसी में है कि। जीस व्यक्ति को विधाता ने। तन की आंखें नहीं दी। उसी को मन की आँखें देख कर। दृष्टि संबंध न बना दिया।
2	कहानियाँ।	उसने कहा था।	प्रेम त्याग की भावना। वीरता जैसे भावों को कहानीकार, ने अभिव्यक्त किया है।
		सुजान भगत।	किसान की कर्तव्य परायणता।
		पुरस्कार।	भूमि के प्रति स्नेह। ये।
		खेल।	बाल मनोविज्ञान कामनोरम चित्रण।
		मलबे का मालिक।	देश विभाजन की त्रासदी का चित्र।
		गेंद।	वृद्धों के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता।

Specify Course Outcome: कथा स्थिती के माध्यम से। उपन्यासकार और कहानीकार। खी भावना। संवेदनशीलता का चित्रण करना।

Specify Program Outcome: उपन्यास, विधा और कहानी विधा से। समाजिकता का चित्रण करना। है ना? है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Dr.Solanke Santosh Bhikaji Department:Hindi

Program: BA FY –sem-2 **Subject**:HINDI **Course Code**: HIN-3

Paper Title: कथासाहित्य

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	**१.** उपन्यास	पचपन खंभे लाल दिवारे	उषा प्रियवंदा का पहला उपन्यास है।जिसमे भारतीय नारी की सामाजिक यंत्रणा का नुकसान हुआ है।
२.	कहानिया	निर्वासित कोसी का घटवार गृहप्रवेश अकालमृत्यु	वृध्द माता-पिता की पीडा ग्रामीण पहाडी परीवेश पश्चाताप का चित्रण बच्चे की मानसिक पीड़ा का वर्णन
		सबसे कठिन काम साहब फिर कब आएंगे माँ	सेवाभावी वृती वेदना का चित्रण

Specify Course Outcome: उपन्यास में प्रतिकात्मक परिस्थिति का चित्रण किया गया है।

Specify Program Outcome: उपेक्षित, पहाडी परीवेश, पश्चाताप और अकेलेपन के एहसास चित्रित किया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **Dr. Santosh Bhikaji solanke** **Department:.** **Hindi**

Program: BA FY Sem 01 **Subject**: HINDI **Course Code**: 02

Paper Title: नाटक तथा एकांकी-

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
१	नाटक	धरती आबा	बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष पर केंद्रीत है।गुलामी के कठिन जीवन की मुक्ति का चित्रण किया है।
२.	एकांकी	सीमरेखा	जनतंत्र के वास्तविक स्वरूप का चित्रण।
		पृथ्वीराज की ऑखे भाग-2	पृथ्वीराज चौहान की विरता आत्म गौरव का चित्रण किया है।
		अशोक वन	. एक चरित्रप्रधान एकांकी है।
		नए मेहमान	. हास्य व्यंग्य के माध्यम से नारी
			मनोविज्ञान का चित्रण किया है।
		रीड की हड्डी	सामाजिक एकांकी है।एक मध्यवर्गीय परीवार की ज्वलंत समस्या को अत्यंत सजीवता से प्रस्तुत किया है।स्त्रियों की सामाजिक स्थिति और विवशता का चित्रण किया है ।
२			.

Specify Course Outcome:

धरती आबा जैसे नाटक में एक स्वतंत्र जीवन जीने की
चाहत का चित्रण किया है

Specify Program outcome:स्वाभिमान और स्वाधीन का चित्रण। ,सामाजिक न्याय स्थिती का वर्णन किया गया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **Dr. Santosh Bhikaji solanke** **Department:.** **Hindi**

Program: BA FY II Sem. **Subject**: Hindi **Course Code**: 04

Paper Title: नाटक तथा एकांकी

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
१	नाटक	अभंगगाथा	मराठी के संत कवि तुकारामपर केंद्रीत नाटक है।तुकाराम के संताप और संघर्ष का चित्रण किया है।तुकाराम की जिंदगी के धागों को इतिहास के साथ जोडा है।
२.	एकांकी	काव्य और अजन्ता की नर्तकी-	रूपकात्मक एकांकी है।
		चरवाहे	प्रतिकात्मक एकांकी है।सामाजिक व्यंग्य का चित्रण है।
		बहु की विदा	दहेजप्रथा समाज में महिलाओं की दुरा वस्था कारण, मध्यवर्गीय समाज का चित्रण किया है।
		बा और बापु	देशप्रेम और राष्ट्रीयता का चित्रण। महात्मा गांधी की सच्ची जीवन घटनाओं पर आधारित है।
		शहादत	हैदराबाद मुक्ति संग्राम पर आधारित है।निजाम राज्य ने भारतीय गणतंत्र मे विलीन होने से इन्कार कर दिया ।स्वामी रामानंद तीर्थ ने भी इस आंदोलन का नेतृत्व किया था।

Specify Course Outcome: सच के प्रती निष्ठा और उसे अमल मे लाने का काम किया है।पल पल में कचोटती हुई जिंदगी कापरीवार के बीच संघर्ष मय वर्णन।

Specify Program Outcome:

समाज की सारी मान्यता का चित्रण, समाज कि कमजोरीयो का चित्रण, दहेजप्रथा का चित्रण, राष्ट्रीय ता को महत्व प्रतिपादित किया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher : Mr.Anand Jalbaji Lokhande **Department: Hindi**

Program: BA FY 1 Sem. **Subject**: Hindi **Course Code**: HIN S.L. 1 **Paper Title:** साहित्य भारती.

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	कहानी विभाग	एक टोकरीभर मिट्टी	एक विधवा स्त्री के माध्यम से जमींदार द्वारा गरीब जनता पर होनेवाले अन्याय का चित्रण किया है।
		ठाकुर का कुँआ	अछूत समस्या समाज में ऊँच नीच की भावना परीवारो में स्त्रीयो की दशा का चित्रण।
		ममता	मौलिकता से मानवीय कर्तव्य का चित्रण।
		गुल की बन्नो	मानवीय संवेदना का चित्रण।
		सिक्का बदल गया	देश विभाजन के विस्थापन की पीडा का वर्णन।
		ढाई बीघा जमीन	शहरीकरण,औद्योगिकीकरण से खेती का महत्व का चित्रण किया है।
२.	काव्य विभाग	वीरों का कैसा हो वसंत	बलिदानी वीरो का सम्मान। आजादी की तडफ का चित्रण किया है।
		सखि वे मुझसे कहकर जाते	भारतीय नारी की परंपरा।गृहत्याग के दुख का चित्रण।
		बांधो न नाव इस ठाँव बंधु	स्मृतियो के माध्यम से,अतीत से वर्तमान के महत्व प्रतिपादित किया है
		हरी घासपर क्षणभर	समय के 'क्षण' को अधिक महत्व दिया है।

		प्याला	जीवन की सकारात्मकता,तीव्र अनुभव का संदेश दिया।
		गीत नया गाता हूँ।	जीवन में संघर्ष करके कठिन परिस्थिती में प्रसन्न रहने की प्रेरणा का चित्रण कियाहै।
३.	प्रयोजनमूलक हिंदी	वृत्तांत लेखन	घटना का वर्णन करना।
		.	

Specify Course Outcome: कहानी साहित्य के माध्यम से सामाजिक सांस्कृतिक का विशेष चित्रण किया हुआ है।

Specify Program Outcome : कविता के माध्यम से देशभावना और राष्ट्रीयता का चित्रण किया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.Anand Jalbaji Lokhande **Department: Hindi**

Program: BA FY II Sem. **Subject**: Hindi **Course Code**: Hindi S.L. 2

Paper Title: साहित्य भारती

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	कहानी विभाग	उसने तो नही कहा था	प्रेम के त्रिकोण का चित्रण
		आशीर्वाद	वर्तमान में पारिवारीक दाम्पत्य जीवन।रिश्तो के टूटते बनने का चित्रण ।
		जरा समझो	जाति-पाति की प्रचलित सामाजिक समस्या का दर्शन।
		बेठन	बालकों की संवेदनशीलता का चित्रण।
		मंडन मिसिर की खुरपी	वृध्द व्यक्ति के अकेलापन का चित्रण।
		हत्या	किसान आत्महत्या कि समस्या की गम्भीरता का चित्रण।
२.	काव्य विभाग	यह वह भारतवर्ष नहीं है ।	आज के भारत की दुर्दशा का चित्रण किया है।
		गजल	श्रृंगारिकता ,नारी शोषण का चित्रण किया है।

		मारे जायेंगे	वर्तमान समय की व्यवस्था का चित्रण।
		चुनाव	प्रजातंत्र में केवल सरकार निर्माण करने कि प्रक्रिया होती है।
		माँ के लिए ससुराल जाने से पहले	आदिवासी जीवन संघर्ष स्त्रियोचित की दशा का चित्रण किया है।
		सपना	समाजके प्रति प्रतिबद्धता रखनी चाहिए।
३.	प्रयोजनमूलक हिंदी	आवेदन पत्र	नौकरी के क्षेत्र मे आवेदन किया जाता है।
		पारिवारीक पत्र	परीवार के सदस्यो के लिए लिखा जाता है।

Specify Course Outcome:

कहानी साहित्य के माध्यम से पारिवारीक दाम्पत्य जीवन संघर्ष कास्त्रो किया है।

Specify Program Outcome:

काव्य के माध्यम से प्रजातंत्र जैसे समस्याओ का वर्णन किया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **Mr.Anand Jalbaji Lokhande Department:.** **Hindi**

Program: B.A. S. Y. Sem : 03 **Subject**: HINDI S.I **Course Code**: paper no. 03

Paper Title: कथेतर गद्य

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	कथेतर गद्य	युवाओ से नाखून क्यो बढते है औरंगजेब कि आखिरी रात प्रवास की डायरी मातादीन चाँदपर काशी के नाम एक थी रामरती स्त्री जो महज त्वचा है।	स्वामी विवेकानंदने युवाओ से प्रेरणा देने का काम किया है।नाखुन की प्राकृतिक बताई।औरंगजेब कि जीवन संघर्ष का चित्रण किया है।जीवन की सफलतापूर्वक संवेदनाओ का चित्रण किया।हास्य व्यंग्य का चित्रण किया है।नामवर सिंह ने काशी के जीवन का वर्णन किया।रामरती

		वीरांगना कनकलता बरूआ।रसायन और हमारा पर्यावरण	के अकेलेपन का वर्णन। बरूआ के जीवन का वर्णन। विज्ञान का वर्णन।

Specify Course Outcome:

कथैतर गद्य मे अलग अलग विधाओ का समग्र रूप से अध्ययन किया है।

Specify Program Outcome:

निबंध ,जीवनी,रेखाचित्र, एकांकी, आदी सभी विधाओ का प्रयोग किया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **Mr.Anand Jalbaji Lokhande Department:.** **Hindi**

Program: B.A. S. Y. Sem 04 **Subject**:Hindi SL **Course Code**: paper no. 04

Paper Title: नाटक तथा प्रयोजनमूलक हिंदी

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	नाटक	विमा	रत्न कुमार सांभरिया ने वीमा के महत्व को प्रतिपादित किया है। वीमा नाटक में देशकाल और वातावरण का बखुबी से चित्रण किया है।
2	प्रयोजनमूलक हिंदी	वेब सर्चिग ई.मेल विज्ञापन लेखन	गुगलपर वेबसाइट कि सर्चिग किस तरह से कि जाती है। ईमेल का निर्माण करना विधी क्या है। विज्ञापन रेडियो,समाचार आदी क्षेत्र प्रयोग अधिक होता है।मोबाइल

		विभिन्न मोबाइल अँप और रोज़गार के अवसर	के माध्यम से हम कई सारे काम आनलाइन कर सकते है। जिससे हमे रोजगार प्राप्त कर सकते है।

Specify Course Outcome:

नाटक वीमा के माध्यम से पारिवारीक पात्र पर अधिक ध्यान दिया है।

Specify Program Outcome:

प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से वेब सर्चिंग, ई,मेल, विज्ञापन लेखन विभिन्न प्रकार के होते है बताया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.Devidas Ganesh Yelne **Department: Hindi**

Program: BASY-opt.-SEM-3 **Subject**: HINDI **Course Code**: HIN-5

Paper Title:मध्ययुगीन काव्य

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	1.मध्ययुगीन काव्य	**1.**नामदेव	नामदेव के तीन पदो मे नामकरण कि महिमा का महत्व दिया है।
		2.कबीर 3.तुलसीदास	कबीरदासने भक्तिकाल मे गुरू कि महता का वर्णन किया है। तुलसीदास कि भक्ति मे नवधा भक्ति का उल्लेख किया है।
		4 .सुरदास **5.**रहीम 6.रैदास 7.मीराबाई 8.बिहारी	सुरदास के भक्ति मे वात्सल्य प्रेम का चित्रण किया है।रहीम संगति का परीणाम का चित्रणकिया है।।रैदास कि भक्ति मे सर्वव्यापकता का चित्रण किया है।।मीराबाई कृष्ण की अनन्य भक्त थी ।कृष्णभक स्त्री थी।बिहारी श्रृंगारी कवि थे नखशिख वर्णन अपने दोनो मे किया है।राजा जयसिंह के दरबारी कवि थे।

Specify Course Outcome: भक्तिकाल को हिंदी का स्वर्ण युग माना जाता है।वैसे ही अपनी भुमि के संतो को ख्याति प्राप्त हुई।

Specify Program Outcome: - सुरदास,तुलसीदास कबीरदास सब रामभक्त, कृष्णभक और रामभक्त कवि थे।

Signature of Teacher :

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.Devidas Ganesh Yelne Department: Hindi

Program: BASY-opt.-SEM-3 Subject: HINDI-opt Course Code: Hin 6 Paper Title: निबंध तथा कथेतर गद्य

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	निबंध	1.मजदुरी और प्रेम 2.लज्जा और ग्लानि 3.व्यापारे वसति लक्ष्मी 4. देवदारू 5.ईर्षा तु न गई मेरे मन से 6.जीवन मे साहित्य का स्थान।	किसान और गडरिये का वास्तविक चित्रण स्पष्ट किया है।लज्जा और ग्लानि का विस्तार से विश्लेषण प्रस्तुत किया है।कुशल व्यापारी के गुणों को स्पष्ट कियाहै ।देवदारू के वृक्ष का महत्व प्रस्तुत किया है। जलनखोर और निंदा करनेवाले लोगो का चित्रण स्पष्ट किया है।मनुष्य के जीवन मे साहित्य का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान बताया गया है
2.	कथेतर गद्य	1. रजिया 2.वर्दी और पानी पाने की बात 3.उस जारवा दम्पति से मिलकर	ग्रामीण क्षेत्र मे चुडाहारिन नारी का चरित्र चित्रण स्पष्ट किया है। दलित विमर्श को स्पष्ट किया है।आदिवासी जारहा जनजाति का रहन-सहन एवं आचार विचार का चित्रण प्रस्तुत किया है।

Specify Course Outcome: - निबंध इस विधा के माध्यम से मनुष्य के वास्तविक जीवन में निबंध का महत्व प्रतिपादित किया है।

Specify Program Outcome: - दलित ,आदिवासी और ग्रामीण मनुष्य के जीवन का चित्रण स्पष्ट किया है।

Signature of Teacher

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.Devidas Ganesh Yelne **Department:** Hindi

Program: BASY-SEM -3 -SEC **Subject**:HINDI **Course Code**: 1

Paper Title: कौशल्य विकास प्रश्नपत्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	पत्र-लेखन	1.आवेदन पत्र 2.पारिवारीक पत्र 3 .मांगपत्र 4.शिकायत पत्र 5.सरकारी पत्र	आवेदन का प्रारूप बताया गया। परिवार के सदस्य को पत्र लिखना। कोई वस्तु पोस्ट से मंगवानी हो तो उदा. किताबे । किसे से शिकायत करनी है तो इस पत्र का प्रयोग होता है। सरकारी कामकाज के लिए इसका प्रयोग होता है।
2.	कम्प्यूटर प्रयोग	१.कम्प्युटर का सामान्य परीचय २.ई.मेल आय.डी का पंजीकरण ३.ई.मेल भेजने की विधी ४.वेब सर्चिग	कम्प्यूटर का परीचय मे उसका प्रयोग ऑफलाइन और ऑनलाइन के लिए होता है।मोबाइल अँप और कम्प्युटर के माध्यम से मेल आय डी बना सकते है।ई.मेल भेजने की विधी से छात्र को ज्ञात कराया है। वेबसाइट से गुगलपर सर्चिग कि जाती है।

Specify Course Outcome: -मनुष्य के जीवन मे पत्रो का प्रयोग पहले अधिक होता था।

Specify Program Outcome:कम्प्यूटर कि जानकारी आज के जीवन मे आवश्यक होती है।

Signature of Teacher

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

Name of Teacher: Mr.Anand Jalbaji Lokhande Department: Hindi

Program: BASY- SEC-SEM-4 Subject: Course hindi Code: 2

Paper Title: कौशल्य विकास प्रश्नपत्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	पटकथा संकल्पना और स्वरूप	पटकथा	फिल्म के कहानी के लिए जो कथा लिखी जाती है,वही पटकथा है।
2.	समाचार लेखन	1. समाचार पत्र के लिए समाचार लेखन 2.दूरदर्शन के लिए समाचार लेखन 3.आकाश वाणी के लिए समाचार लेखन	समाचार पत्र के लिए हिंदी भाषा मे समाचार लेखन किया जाता है।दूरदर्शन के लिए भी समाचार लेखन किया जाता है।रेडियो के क्षेत्र मे भी आकाशवाणी के लिए समाचार लेखन किया जाता है।
3.	नकदी रहीत व्यवहार	1.चेक तथा बॅक प्रणाली द्वारा भुगतान 2.कम्प्यूटर इंटरनेट प्रणाली द्वारा भुगतान 3.स्वाईप (pos)मशीन द्वारा भुगतान 4.भ्रमणध्वनी द्वारा भुगतान 5.एटीएम प्रणाली द्वारा भुगतान 6.विभिन्न बैंकिंग के ॲप द्वारा भुगतान	बैंकिंग क्षेत्र मे चेक द्वारा अधिकतर भुगतान किया जाता है।इंटरनेट बॅकिंग द्वारा भुगतान होता है।बहुत सारे व्यवहार दुकान पर स्वाईप मशीन के आधार पर होता है।भ्रमण ध्वनी मोबाइल से भुगतान किया जाता है।अधिकतर लोग एटीएम मशीन से भुगतान किया जाता है। बैंकिंग के ॲपद्वारा भी भुगतान किया जाता है।

Specify Course Outcome: -पटकथा क्या होती है उसकी संकल्पना के माध्यम से प्रतिपादित किया है।

Specify Program Outcome: समाचार लेखन नकदी रहीत व्यवहार को महत्व दिया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.Devidas Ganesh Yelne Department: Hindi

Program: B.A.S.Yopt-.-SEM-4 Subject: HINDI Course Code: 7

Paper Title: आधुनिक काव्य

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.		1.किसान २. हिमाद्री तुंग श्रृंग से ३. कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ 4.नदी के दीप 5.प्रेत का बयान 6.चंपा कालेज कालेज अच्छा नही चीन्हाती 7. जंगल का संघर्ष 8. साये मे धुप 9. सदीयो का संताप 10.औरत कमजोर नही 11.युध्द के विरूद्ध 12.सड़क दर सड़क	. इस कविता में। किसानों की मेहनत। और परिश्रम का चित्रण किया गया है।शुरू वीरों का बलिदान। और उनके शौर्य का। चित्रण किया गया।कवि क्रांति के बात करना चाहते हैं।नदी के द्वीप को। एक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है।नागार्जुन ने एक अध्यापक का चित्रण किया है।इस कविता में कवि ने शहर के विरुद्ध गांव। और। पैसों के खिलाफ़ इंसानी रिश्तों का चित्रण किया।अपनी जमीन बचाने का संघर्ष किया।यह गज़ल। अन्य अत्याचार की रूत। संघर्ष करने के लिए प्रेरित करती है।कभी नहीं प्रेम की धारा को व्यक्त किया है।इस कविता के माध्यम से आज की नारी। हर समस्या का सामना करने का संघर्ष। चित्रित किया है।इस कविता में। युद्ध की भयानक पीड़ा का चित्रण किया।मज़दूरों की आर्थिक पीड़ा का चित्रण किया है।
2.			
3.			

Specify Course outcome:आधुनिक काव्य किसानों को महत्व दिया गया। प्रेम की पीड़ा को महत्व दिया गया। स्त्री को महत्व दिया गया। इंसानी रिश्तों को भी। महत्वपूर्ण रूप से चित्रित किया।है।

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

Specify Program Outcome: - किसान और बहुतमेहनत, परिश्रम का महत्व बताते हुए। इंसानी रिश्ते किस तरह से बनाकर रखने है? साथ में औरत के। कमजोरियों को एक समस्यात्मक रूप में चित्रित किया है।

Signature of Teacher

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.chorghade suryakant mukundrao Department: Hindi

Program: B.A.T.Y-SEM-5 opt Subject: HINDI Course Code: 4

Paper Title: हिंदी साहित्य का इतिहास

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	आदिकाल	आदिकाल का परीचय साहित्य की प्रेरक परिस्थितिया	हिंदी साहित्य के इतिहास मे आदिकाल का महत्व बताकर परिचय देना। हिंदी साहित्य इतिहास के प्रेरक परिस्थिति मे सामाजिक सांस्कृतिकता महत्व प्रतिपादित किया।
2.	भक्तिकाल	भक्तिकाल का परीचय निर्गुण भक्ति सगुण भक्ति।	हिंदी साहित्य के इतिहास मे भक्तिकाल के परीचय और महत्व को प्रतिपादित किया है। निर्गुण भक्ति में। ज्ञानश्री। प्रेमाश्रय शाखा की प्रतियों को समझाया गया। सगुण भक्ति साहित्य में सगुण भक्ति का। अध्ययन किया। महत्व बताया। रामभक्ति और कृष्ण भक्ति का परिचय दिया।
3. 4.	रीतिकाल। आधुनिक काल।	रीतिकाल की तीनों धाराओं का परिचय। परिचय। तथा विभिन्न युगों का परिचय।	रिति काल का परिचय देकर रीतिबद्ध? रिति सिद्ध। तथा रिद्धि मुक्त का काव्य का संक्षिप्त परिचय दिया गया।आधुनिक काल के परिचय में भारतेंदुयोग? द्विवेदी, युग। छायावाद? प्रगतिवाद। प्रयोगवाद का? संक्षिप्त परिचय दिया गया।

Specify Course Outcome: - हिंदी साहित्य के इतिहास मे आदिकाल को महत्व दिया गया।परिस्थिती पर चर्चा कि गयी।

Specify Program Outcome: - रीतिकाल और आधुनिक काल मे युग पर संक्षिप्त रूप से ध्यान दिया गया।

Signature of Teacher :-

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.chorghade suryakant mukundrao Department:

Program: BATY SEM-6 Subject: HINDI Course Code: 10

Paper Title: साहित्यशास्त्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	काव्य शब्दशक्ति आलोचना	काव्य का अर्थ, स्वरूप प्रयोजन हेतु का परीचय अर्थ, परीभाषा,स्वरूप का परीचय शब्दशक्ति के भेद परीभाषा आलोचना के प्रकार	काव्य किसे कहते है।उसका अर्थ, स्वरूप, हेतु,तत्वो का प्रयोजन बताकर महत्व को समझाया। शबदशक्ति मे परीभाषा अर्थ और स्वरूप के महत्व को समझाया गया।उसमे अर्थ व्यक्त करने का व्यापार होता है। शब्दशक्ति के भेद मे अभिधा,लक्षणा,और व्यंजना का विवेचना किया गया।छात्रो को परीभाषा का महत्व बताया गया। आलोचना के प्रकार को स्पष्ट कर सैद्धांतिक, ऐतिहासिक, मार्क्सवादी,तथा तुलनात्मक आलोचना का महत्व बताया गया।

Specify Course Outcome: साहित्य शास्त्र के अंतर्गत काव्य की परीभाषा,शब्दशक्ति को महत्व दिया गया

Specify Program Outcome: आलोचना की परीभाषा,भेद को प्रतिपादितकिया है।अभिधा,लक्षणा, व्यंजना. को विवेचित किया गया।

Signature of Teacher:

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.chorghade suryakant mukundrao Department:MARATHI

Program: BA TY SEM-6 Subject:Hindi Course Code: 11

Paper title :हिंदी भाषा।

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
क	हिंदी भाषा।	1.भाषा की परिभाषा तथा स्वरूप। 2 .भाषा की विशेषताएं। 3.हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।	मनुष्य के विचारों को व्यक्त करने का माध्यम भाषा है। भाषा परिवर्तनशील होती है, सामाजिक होती है। प्राचीनता से लेकर मध्यकाल तक आधुनिक काल से लेकर आर्यो तक इसका विकास होता गया।
2.	हिंदी की स्थिती	1.भाषा प्रौद्योगिकी स्वरूप। और संभावना है। 2.हिंदी की संवैधानिक स्थिती? 3.हिंदी की वैश्विक स्थिति।	तकनीकी युग में भाषा का इलेक्ट्रॉनिक माध्यम बन गया। 343 से 351 तक। अनुचित की संवैधानिक स्थिती बनी है। विश्व के स्तर पर हिंदी के महत्व से छात्रों को अवगत कराया गया। अनुवाद कार्यालय में केंद्रीय विद्यालय में रोजगार के अवसर पर। अधिक। बढ़ गए हैं।
3.	हिंदी भाषा के । विविध रूप।	१. प्रयोजनमूलक हिंदी 2.राष्ट्र भाषा 3.राजभाषा 4.संपर्क भाषा	कामकाजी हिंदी बोलचाल की हिंदी के प्रयोजन का आधार बन गया। राष्ट्रभाषा का निर्माण हुआ। राजभाषा राज्य के तौर पर बनी है। संपर्क भाषा का प्रयोग कैसे हुआ है। इससे छात्रों को अवगत कराया गया है। अवलोकित। परिचित किया गया है।

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा में। विचारों को। ज्यादा महत्व दिया गया। इसलिए। परिवर्तनशीलता। अधिक

महत्वपूर्ण है। प्राचीनता और मध्यकाल को भी महत्व दियाSpecify Program Outcome: रोजगार के अवसर। वैश्विक स्थिती

संवैधानिक स्थिती। अनुवाद और कार्यालय। ज्यादा महत्व है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **Mr.chorghade suryakant mukundrao Department:.** **Hindi**

Program: B.A. T.Y. **Subject**: Hindi **Course Code**: HIN-5 I Semister : 06

Paper Title: भाषा शिक्षण

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
क-	वर्तनी।	1.शुद्ध वर्तनी का महत्व। 2.शुद्ध वर्तनी के नियम।	वर्तनी की शुद्धता को महत्व दिया। वर्तनी की नियम क्या होते हैं? छात्रों को। अवलोकित किया गया।स्वर्ग से कहते है उसको परिभाषित करती है। उसके बेटों को जानकारी दी। व्यंजनों की परिभाषा देखकर। व्यंजनों की परिभाषा देखकर उसके भेदो को। स्पष्टकिया है। है।
		3.स्वर परिभाषा और भेद। व्यंजन परिभाषा और भेद।	प्लुप्त स्वर,दीर्घ स्वर, रहस स्वर तीन भेद है।व्यंजन मे रूढी और प्रयोजनवती दो होती है।
ख-	व्याकरण।	1.लिग परिभाषा और भेद। 2.वचन परिभाषा और भेद। 3.क्रिया परीभाषा और भेद 4.काल परीभाषा और भेद	लिंग दो प्रकार के होते है।स्त्रीलिंग और पुलिंग। वचन दो प्रकार के होते है।एकवचन,बहुवचन क्रिया भी कई प्रकार के होते है।काल के प्रकार मे तीन प्रकार के है वर्तमान काल भूतकाल, भविष्य काल छात्र को अवलोकित किया गया।

ग-	सृजनात्मक व्यक्तित्व	1.कबीर 2. महादेवी वर्मा 3.महात्मा गांधी 4.डा.बाबासाहेब अंबेडकर 5.अटलबिहारी वाजपेयी 6.डा.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम	भक्तिकाल मे ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रवर्तक। आधुनिक काल की वरिष्ठ साहित्यकार महादेवी वर्माहै।आधुनिक मीरा के नाम सभी जाना जाता है।महात्मा गांधी को राष्ट्र पीता के रूप मे जाना जाता है।हिंदी में दलित समाज-सुधारक के रूप मे जाने जाते है।अटलबिहारी जी एक राजनीतिक व्यक्तित्व और कवि भी है।अबुल कलाम जी भी एक राजनीतिक राष्ट्रपती भी थे।

Specify Course Outcome:

व्याकरण को भाषा शिक्षण-समाज मे बहुत महत्व है।वर्तनी शुध्द लेखनी को भी विशेष महत्व प्रतिपादित किया है।लिंग वचन,किया काल का भी व्याकरण मे महत्व है।

Specify Program Outcome:

सृजनात्मक व्यक्तित्व को भी अधिक महत्व दिया गया है।भक्ति संप्रदाय मे कबीरदास को श्रेष्ठ माना जाता है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **Mr.chorghade suryakant mukundrao Department:.** **HINDI**

Program: B.A. T.Y. **Subject**: HINDI **Course Code**: HIN 3 SEC Semister : 05

Paper Title: कौशल्य विकास प्रश्नपत्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome

अ-	पटकथा लेखन के अंग तथा उदाहरण	1.सिनेमा की पटकथा 2.दूरदर्शन की पटकथा 3 .रेडिओ की पटकथा	फिल्मो के लिए कहानी लेखन ही सिनेमा कि पटकथा होती है।रेडियो लेखन मे और दूरदर्शन की पटकथा उसीतरह की होती है।
ब-	भाषा कौशल	श्रवण कौशल्य,वाचन कौशल्य , लेखन कौशल्य	श्रवण का अर्थ होता है सुनना उसके आधार पर ही हम विषय को समझ सकते है।वाचन कौशल्य मे हमे पढने की रूचि होना आवश्यक है।लेखन कौशल्य भी एकप्रकार से साहित्य के साथ होता है।
		पल्लवन की परीभाषा,स्वरूप और उदाहरण	पल्लवन उसे कहते हैकि,किसी भी बात को थोडे से बात न करके बडा बना देना।
क-	लेखन की शुध्दता एव सुंदरता	1.स्वच्छ भारत अभियान 2.बेटी बचाओ बेटी पढाओ 3.जल ही जीवन है 4पर्यावरण सुरक्षा 5.वर्तमान समय और नैतिक मुल्य	स्वच्छ भारत अभियान मोदी जी ने राजनीती आहे से शुरुआत की है।बेटीयो को पढ़ाई के क्षेत्र मे अधिक महत्व मिलना चाहिए। पानी को जीवन के साथ जोडा गया है।पर्यावरण को भी अधिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। नैतिक ता को अधिक महत्व दिया गया है।

Specify Course Outcome: पटकथा को फिल्म, धारावाहिक के क्षेत्र मे अधिक महत्व दिया गया है।

Specify Program Outcome:
पल्लवन और कौशल लेखन को अधिक महत्व प्रतिपादित किया गया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani ---------

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

-- **Name of Teacher:** Dr. Santosh Bhikaji solanke **Department:.** Hindi

Program: BA TY VI Sem. **Subject:** Hindi **Course Code:** SEC IV

Paper Title: कौशल्य विकास प्रश्नपत्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
अ.	विज्ञापन	1. प्रिंट मिडिया के किसी एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण। 2 .रेडिओ के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण। 3.दूरदर्शन के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण।	मुद्रित माध्यम के अंतर्गत समाचार पत्र को विज्ञापन के साथ जोडा गया है।मिडिया के माध्यम से अधिक महत्व प्रतिपादित किया है।रेडिओ को अर्थात आकाशवाणी के क्षेत्र मे श्रव्यात्मक विज्ञापन होते है।दूरदर्शन के माध्यम से भी दृश्य श्राव्य के आधारपर टी.वी के माध्यम से विज्ञापन को महत्व दिया है।
ब.	भाषाई कम्प्यूटर	1. कम्प्यूटर का हिंदी भाषाई भविष्य 2. हिंदी मे पाॅवर पाइंट का महत्व एवं प्रविधी। 3. हिंदी मे एम.एस.वर्ड, एम.एस एक्सल निर्माण विधी	कम्प्यूटर की भाषा को अधिक महत्वपूर्ण माना गया है।हिंदी मे पाॅवर पाइंट को भी महत्व दिया हुआ है।एम एस एक्सप्रेस को भी उतना ही महत्व प्राप्त हुआ है।
क.	ब्लॉग लेखन	1.ब्लॉग लेखन का महत्व एवं प्रकार 2.हिंदी मे ब्लॉग लेखन की प्रविधी 3.इंटरनेट पर सामग्री सृजन एवं युटुब पर प्रकाशन।	ब्लॉगलेखन साहीत्य के क्षेत्र मे होता है। हर एक क्षेत्र मे महत्व पुर्ण होता है।इंटरनेट पर सामग्री सृजन करना अर्थात वेबसाइट पर जाकर वेब सर्चिंग करना होता है।

Specify Course Outcome: कौशल्य विकास प्रश्नपत्र मे छात्र छात्राओ को ब्लॉग लेखन युटुब प्रकाशन विधी को भी महत्व पुर्ण माना गया है।

Specify Program Outcome: भाषा को भी कम्प्यूटर के क्षेत्र मे अधिक महत्व प्रतिपादित किया गया है।पावर पाॅइंट एम.एस. वर्ड और एम.एस एक्सप्रेस शिट का निर्माण किस तरह से होता हैयह महत्व प्रतिपादित किया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani ------------------------------------

----

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

-- **Name of Teacher: Dr. Nilesh Eknathrao Londhe Department:. Marathi**

Program: BA TY V Sem. **Subject**: Marathi **Course Code**: SEC III

Paper Title: मराठी भाविक कौिल्य विकाि भाग SEC1

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	मराठी भािा कौिल्य आणि व्यििायाच्या िांधी	अ मराठी भाविक कौिल्य िाचन-लेखन भािि िांभािि ब पटकथा बलॉग लेखन िताांतृ अहिाल हटपी इत्यादी लेखनाचे स्िरूप विविध क्षेरात व्यििायाच्या िांधी परकाररता प्रिारमाध्यमाांतील कायय प्रात्यक्षक्षक कायय	मराठी भािा ि िाहहत्य याविियी असभरुची ननमायि करि विद्याथ्याांचे व्यक्ततमत्ि विकसित करि विद्याथ्याांच्या भाविक क्षमताांचा विकाि करि
2	ग्राांथप्रकािन विश्ि	ग्राांथ ननसमयतीचा हेतू िहहता िाचन िांस्करि आणि िांपादन महद्रतु िोधन ग्राांथप्रकािन ि स्िासमत्ि हतक ग्राांथ वितरि पाराांपररक ि आधुननक िाचकाांची असभरुची ग्राांथ परस्कारु प्रात्यक्षक्षक कायय	मराठी भाविक कौिल्य विकसित करि मराठी भािेचे उपयोजन ि विविध क्षेरातील व्यििायाच्या िांधीची माहहती करून देिे
3	ग्राांथ परीक्षि	आस्िाद आकलन मूल्यमापन प्रात्यक्षक्षक कायय	मराठी भािेतील ग्राांथ प्रकािनाचे एकू ि स्िरूप िमजनू देिे

Specify Course Outcome:

विद्याथ्याांच्या भाविक क्षमताांचा विकाि करि

मराठी भाविक कौिल्य विकसित करि

मराठी भािेचे उपयोजन ि विविध क्षेरातील व्यििायाच्या िांधीची माहहती करून देिे

मराठी भािेतील ग्राांथ प्रकािनाचे एकू ि स्िरूप िमजून

देिे **Specify Program Outcome:**

मराठी भाविक क्षमताांच्या िाढीि

मदत मराठी भाविक कौिल्य विकाि

व्हािा विविध क्षेरातील

व्यििानयक िांधी

मराठी भािेतील ग्राांथ प्रकािनाचे स्िरूप िमजनू घेण्याि मदत

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher : BHALERAO I.N. **Department: Marathi**

Program: B.COM. FY 1 Sem. **Subject**: Marathi **Course Code**: MAR S.L. 1 **Paper Title:** अक्षरलि ◌ी S. L.

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	गद्य विभाग	ि◌ि◌ीक रक्षि माहीम भट	मराठीतील ि◌◌ा◌ं◌ग्मय प्रकारांची ओळख
		ि◌ाहुकार म्हिजे राज्याची ि◌ोभा रामचांद्र पांत अमात्य	मध्ययगीनमराठी◌ु गद्य याचे काल विसिष्ट स्ि◌रूप ि◌मजनू घि ◌े
		भाि◌ि◌ी जीि◌नाची उभारिी विद्यापीठात होते डॉतटर बाबाि◌ाहेब आांबेडकर	मानिी मल्यांचे◌ू आकलन
		क्रीडा ि◌ा◌ं◌स्कृतीची गरज नरेंद्र दाभोळकर	मानिी मल्यांचे◌ू आकलन
		पदरी पडलां पविर झालां हहम्मतराि◌ बाि◌स्कर	मराठी ि◌ाहहत्याची आिड ननमायि करि
		आमची आई ि◌ाधनाताई मांदा आमटे	मानिी मल्यांचे◌ू आकलन
		झाडां लाि◌ि◌ि◌ारा माि◌ि◌ि◌ू मकरांद कु लकिी	मराठी ि◌ाहहत्याची आिड ननमायि करि
		द्योतक कृष्ि◌ि◌ा ककांबहुने	मानिी मल्यांचे◌ू आकलन
2	पद्य विभाग	ि◌मयाि◌ि◌ी ि◌ि◌ादर व्हाि◌ि◌े ि◌ि◌ा◌ं◌त ि◌ि◌ाि◌िता माळी	मध्ययगीनु पद्य ि◌ा◌ा◌ं◌ग्मयाचा पररचय
		बबकट ि◌ाट ि◌हिहिट निाि◌ि◌ी अनांत फां दी	काव्य प्रिाहातील प्रकटलेल्या मानिी मल्याचां◌ू ◌े आकलन
		आईची आठिि◌ माधि जसलयनू	आधननकु मराठी कवितचे ◌ा पररचय
		मानिा इथे मी ि◌ामनदादा कडकय	जागनतकीकरिाच्या पररप्रेक्ष्यातनू मराठी कवितेची मीमाि◌ि◌ा◌ं ◌ा करि
		ि◌ययनारायिा◌ू ना धो महानोर	काव्य प्रिाहातील प्रकटलेल्या मानिी मल्याचां◌ू ◌े आकलन
		उतराई गोविदां काळे	ि◌ा◌ा◌ं◌ग्मयीन ि◌ भाविक आकलनक्षमता ि◌ाढिि◌े
		ही पथ्ि◌ि◌ीि◌ृ स्रीसलगां ◌ी आहे पी विठ्ठल	कवितमेधनू प्रकट झालेल्या मानिी मल्याचां◌ू◌ी आकलन
		ि◌पू आणि जाते स्ि◌ाती सिदें .	ि◌ा◌ा◌ं◌ग्मयीन ि◌ भाविक आकलनक्षमता ि◌ाढिि◌े
3	उपयोक्जत मराठी	प्रमाि◌ मराठी लखेनाचे अनस्ि◌ारु विि◌यक ननयम	भाि◌ाज्ञान
		ि◌बदाच्◌ा◌ं या जाती	मराठी भाि◌ेतील व्याकरिाचे उपयोजन

Specify Course Outcome:

मध्ययगीनु ि आधननकु मराठी गद्य ि पद्य याचे काल विसिष्ट स्िरूप ़िमजनू घेि़े मराठी ि़ाा़ंग्मय ननसमयतीच्या प्रेरिांची उकल करि, मराठी ि़ाहहत्याची आिड ननमायि करि मराठी प्रमाि लेखन वििियक ननयम बद्दल जागती़ृ घडविि़े, मराठी व्याकरितील िबदांच्या जाती चा पररचय करि **Specify Program Outcome:**

मध्ययगीनु ि आधननकु गद्य-पद्य ि़ाा़ंग्मयाचा पररचय, मराठीतील ि़ाा़ंग्मय प्रकारांची ओळख
मराठी ि़ाहहत्य ननसमयती आणि त्यांच्या प्रेरिा ि़ा़ंबांधी आकलन
मराठी भािि़ेतील व्याकरिाचे उपयोजन,
भािि़ाज्ञान, आधननकु मराठी
कवितेचा पररचय

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: BHALERAO I.N. Department: MARATHI

Program: BCOM .FY S.L. SEM-2 **Subject**: MARATHI **Course Code**: 2

Paper Title: साहहत्यसशल्प

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
	गद्य ववभाग	१. झेल्या २. राग ३. सये ि्झु डोळे ४. चांदणभलू ५. गोरभदाची दाहकिा ६. माि्हालं कु जबजला ु ७. आई ि्झ्यासशवायु ८. ईद	३. कथचे ा पररचय४. मराठी गाड्याची ओळख ५. माि्वी जीविमल्याचं ् ी ओळख ६. माि्वी जीविमल्याचं ् ी
	पद्य ववभाग	१. त्याचे कादयलेखि २. सललीची फु ले ३. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ४. निच्या मिाि उिरणे ५. समिा ६. जीविी ७. वासिची मगरसमठी ८. ि्लाब दयाकरण ववभाग १. मराठी लखेि्ाचे नियम २. प्रयोगववचार १. कथचे ा पररचय २. माि्वी जीविमल्यांची ् ओळख ओळख ७. माि्वी जीविमल्याचं ् ी ओळख ८. कथचे ा पररचय	१. कादयलेखािाचा पररचय २. माि्वी जीविमल्याचं ् ी ओळख ३. गझलची ओळख ४. आंबेडकरांच्या ववचाराचं ा पररचय ५. मराठी पद्याचा पररचय ६. माि्वी जीविमल्याचं ् ी ओळख ७. माि्वी जीविमल्याचं ् ी ओळख ८. माि्वी जीविमल्याचं ् ी ओळख ९. मराठी पद्याचा पररचय
			१. मराठी भाि्ेच्या प्रमाणलखेि्ाचा पररचय २. भाि्ा उपाययोजिाचं े स्वरूप समजले.

Specify Course Outcome: **ववववध वाङ्मय प्रकाराचं ी ओळख करूि् देणे. ववववध जीविमल्यांची ् ओळख करूि् देणे.**

Specify Program Outcome: **मराठी भाि्ा व साहहत्य यावविय निमााण करणे.**

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Dr. Marewad Ganesh Shivaji Department: Marathi

Program: B.Com.SY-S.L.-SEM-3 Subject: Marathi Course Code: 3

Paper Title: िाहहत्यधारा -भाग १

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	गद्य	१.स्री -परुिु तलनाु २.िेळेचा व्यथय खचय ३.ररकामी आगपेटी ४.राजीि िाहू:िाि आणि िारिा ५.ियाजीराि गायकिाड याांचे बलिांपन्न भारताचे स्प्न ६.अन हाती खरपांु आलां ७.दहा पैिाचा तमाि ा ८. िाटी	१.१९ व्या ितकातील स्री -परुिविियकु मानसिकतेचे आकलन. २.िेळेि महत्ि कळेल. ३.कथेचे िेगळेपि आधोरेकीत. ४.राजी िाहूच्या विचाराांचे आकलन. ५.ियाजीराि गायकिाड याांच्या विचाराांचे आकलन . ६.भाविकदृष्टी विकसित . ७.कथा िाङ्मयप्रकाराची ओळख . ८.भाविकदृष्टी विकसित .
2.	पद्य	१.दोन अभांग २.िनविहार ३.हह िाांग िखे िांदरीु ४.दोन अखांड ५.माझी मराठी ६.घेता ७.हाक	१.ितां तकारामाांच्याु विचाराांची ओळख . २.पांडडती काव्यप्रकाराची ओळख . ३.लाि ी काव्यप्रकाराची ओळख ४.महात्मा फुले याांच्या विचाराांचे आकलन ५.मराठी भाि ेचे महत्ि अधोरेणखत . ६.मानिी मल्याांचे आकलन ७.मानिी मल्याांचे आकलन
3.	व्याि ाररक मराठी	१.जाहहरातलेखन २.मराठी पमाि लखे नाचे ननयम	१.जाहहरात लखे नकौि ल्य विकसित . २.मराठी प्रमाि लखे नाचे ननयमाांचे आकलन

Specify Course Outcome: -मराठीच्या विविध बोलीचां ा पररचय,भाविक ि िाङ्मयीन ि ांदयदृय ष्टी विकसित होईल.

Specify Program Outcome: - मराठी िाहहत्यासभरुचीच्या आकलनकक्षा रुांदाितील.

Signature of Teacher

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

-- ---

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Dr. Marewad Ganesh Shivaji Department: Marathi

Program: B.Com.SY-S.L.-SEM-4 Subject: Marathi Course Code: 4

Paper Title: िाहहत्यधारा -भाग 2

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	गद्य	१.एके शुिेरी पांथांचा विजय २. गिा भपट्या ३. माझी ड्युटीु करायला मला लाज िाटत नाही ४. जमातिाद ५.रातपाळी ६. बाबािाहेबांचा जानतव्यिस्थेिरील प्रहार ७. प्रमािपर	१. ग्रामीि कथेचे आकलन. २. कृष्िाबाई ियेचीू माहहती समळेल. ३. जमातिादाची माहहती समळेल. ४. बाबािाहेबांच्या विचारांचा पररचय ५. मराठी कथेचे आकलन. ६. स्रीिादी कविता पररचय ७. िास्ति िमाजाचा पररचय
2.	पद्य	१. नािा कोरा अस्खसलत जन्म २. प्रनतज्ञाभांग ३. सिक भीमाचा लढा ४. मािािू ५. आत्मथटेपीचू स्िगत ६. मेलां नाही आजनू आभाळ ७. गाळ	१. स्रीिादी विचारांचा पररचय २. िास्ति िमाजाचा पररचय ३. बाबािाहेबांच्या विचारांचा पररचय ४. मानिी मल्यांचाू विकाि. ५. मानिी मल्यांचाू विकाि. ६. जीिन प्रेरिा समळेल. ७. ग्रामीि जीिनाचा पररचय.
3.	व्याििाररक मराठी	१. मलाखतु िांिगिक आणि मराठी भािा २. मराठी िांके तस्थळांची माहहती ३. िमाजक्स्थचे आकलन होईल.	१. मलाखतीचीु विस्ततृ माहहती भेटेल ि मलाखतीलाु कि िामोरे जािे हे कळेल. २. मलाखतु िांिगिक आणि मराठी भािा परस्परिांबांधाची माहहती. ३. मराठी िांकेतस्थळांची माहहती

Specify Course Outcome:

Specify Program Outcome: - .

Signature of Teacher :-

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher : **Department:**

Program: B.sc. FY 1 Sem. **Subject**: **Course Code**: 1 **Paper Title:** .

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome

		.	

Specify Course Outcome:

Specify Program Outcome:

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Department:

Program: B.SC.FY S.L. SEM-2 **Subject**l **Course Code**: 2 Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome

Specify Course Outcome: .

.

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Department:

Program: B.Sc.SY-S.L.-SEM-3 Subject: i Course Code: 3

Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
			.

Specify Course Outcome: -

Specify Program Outcome: - .

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Department:

Program: 4 Subject: i Course Code: 4

Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome

Specify Course Outcome: Specify Program Outcome: .

Signature of Teacher